सिविल लाइंस में एमजी मार्ग के सुंदरीकरण का काम चल रहा बेहद धीमा

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

सिविल लाइंस में महात्मा गांधी (एमजी) मार्ग पर सुंदरीकरण के लिए तय सीमा (30 सितंबर) बीते 12 दिन हो गए हैं लेकिन काम खत्म होना तो दूर यहां अभी काफी काम अधूरा पड़ा है। पत्थर गिरजाघर से हनुमान मंदिर के बीच कई जगह डक्ट और नाला अब तक नहीं बना। सड़क किनारे वॉटर एटीएम, शौचालय एवं वेंडिंग जोन का काम भी पूरा नहीं हो सका है। बिजली के तारों को भूमिगत करने के साथ ट्रांसफॉर्मरों को हटाने और उनके स्थान पर नए लगाने का काम तो अभी शुरू भी नहीं हुआ है। मुख्य सचिव की फटकार तथा कमिश्नर और डीएम की निगरानी के बाद काम में कुछ तेजी आई है। बावजूद इसके जिस तरह से काम चल रहा है, उसके अक्तूबर तक भी पूरा होने की संभावना कम है।

एमजी मार्ग के सुंदरीकरण का काम दिसंबर 2015 में शुरू हुआ। एडीए ने यह काम तीन फर्मों को दिया है। मुख्य सड़क के दोनों ओर आरसीसी पटरी, नाला, डक्ट, इटेलियन लाइट, पार्किंग, वेंडिंग जोन, वॉटर एटीएम, शौचालय निर्माण आदि सभी काम पूरा करने की मियाद 15 अगस्त तय की गई थी लेकिन उस वक्त तक 25 प्रतिशत काम भी नहीं हो सका था। मुख्य सचिव ने निरीक्षण के बाद सभी काम 31 अगस्त तक पूरे करने का आदेश दिया लेकिन इसके बाद डिजाइन में कुछ संशोधन हुआ। इसकी वजह से बीच में कुछ दिन काम बंद रहा लेकिन बाद में 30 सितंबर तक काम खत्म करने को कहा गया लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सबसे धीमा काम सुभाष चौराहा के दोनों तरफ चल रहा है। यहां एलचिको, सम्राट होटल, राजकरन सिनेमा और वाणिज्य कर कार्यालय के आसपास भूमिगत केबिल के लिए डक्ट और नाला बनाने का काम अब शुरू हुआ है। इसके साथ दुकानों के सामने जगह-जगह पार्किंग स्पेस भी बनना है, जिसे पूरा नहीं किया जा सका है। पैलेस सिनेमा के बाहर और उसके सामने दूसरी पटरी के एक हिस्से में अब तक आरसीसी पटरी नहीं बनी। इसी तरह मैक्स शोरूम के सामने, होटल साकेत, काफी हाउस सामने समेत कई जगह पटरी पूरी नहीं हो सकी है। एडीए के एक्सईएन आरडी राय पूर्व में तय तिथि तक ज्यादातर काम पूरा होने का दावा कर रहे थे लेकिन उसके बाद 12 दिन और गुजर गए लेकिन 35 फीसदी काम शेष है।

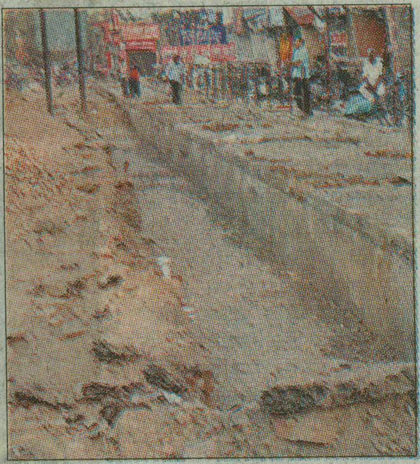

समय सीमा समाप्त हाने के बाद भी अभी तक पूरा नहीं हो सका एमजी मार्ग के सुंदरीकरण का काम।

इटैलियन लाइट से रोशन हुईं सड़कें

एमजी मार्ग पर सुंदरीकरण का काम भले धीमी रफ्तार से हो रहा है लेकिन यह तय है कि सभी काम पूरे होने के बाद यह मार्ग अलग नजर आएगा। रात में इस सड़क के कुछ हिस्सो में जलने वाली इटेलियन डिजाइन की लाइटें इसका उदाहरण हैं। पत्थर गिरजाघर से मैक्स शोरूम, अटलांटिस मॉल से बस अड्डा चौराहा तक सड़क के दोनों ओर लगी लाइटें अलग छंटा बिखरती हैं।

अमर उजाला 13/10/16